



Devanshu



M virmani

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119849501

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
08/01/1996 :	जन्म तिथि	: 07/10/1999
सोमवार :	दिन	: गुरुवार
घंटे 07:40:00 :	जन्म समय	: 12:00:00 घंटे
घटी 00:23:22 :	जन्म समय(घटी)	: 13:48:50 घटी
India :	देश	: India
Firozpur :	स्थान	: Delhi
30:55:00 उत्तर :	अक्षांश	: 28:39:00 उत्तर
74:38:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:28 :	स्थानिक संस्कार	: -00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
07:30:39 :	सूर्योदय	: 06:17:06
17:45:18 :	सूर्यास्त	: 18:00:47
23:48:13 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:50:59
धनु :	लग्न	: धनु
गुरु :	लग्न लग्नाधिपति	: गुरु
कर्क :	राशि	: सिंह
चन्द्र :	राशि-स्वामी	: सूर्य
आश्लेषा :	नक्षत्र	: पू०फाल्गुनी
बुध :	नक्षत्र स्वामी	: शुक्र
1 :	चरण	: 4
विष्कुम्भ :	योग	: शुक्ल
वणिज :	करण	: वणिज
डी-डीगेश्वर :	जन्म नामाक्षर	: दू-दुनदुन
मकर :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: तुला
विप्र :	वर्ण	: क्षत्रिय
जलचर :	वश्य	: वनचर
मार्जार :	योनि	: मूषक
राक्षस :	गण	: मनुष्य
अन्त्य :	नाड़ी	: मध्य
श्वान :	वर्ग	: श्वान

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
बुध 15वर्ष 11मा 19दि
शुक्र
28/12/2018
28/12/2038

शुक्र	28/04/2022
सूर्य	28/04/2023
चन्द्र	27/12/2024
मंगल	26/02/2026
राहु	26/02/2029
गुरु	28/10/2031
शनि	28/12/2034
बुध	27/10/2037
केतु	28/12/2038

अंश

24:36:04
23:15:42
17:28:28
05:54:27
11:03:39
07:16:23
27:31:21
26:06:19
28:18:20
28:18:20
05:57:07
01:08:23
08:22:21

राशि

धनु
धनु
कर्क
मक
मक
धनु
मक
कुंभ
कन्या व
मीन व
मक
मक
वृश्चि

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध
गुरु व
शुक्र
शनि व
राहु व
केतु व
हर्ष व
नेप व
प्लूटो

राशि

धनु
कन्या
सिंह
वृश्चि
तुला
मेष
सिंह
मेष
कर्क
मक
मक
मक
वृश्चि

अंश

02:56:41
19:41:53
23:34:25
29:09:53
09:07:39
08:14:31
05:50:04
22:05:45
17:19:59
17:19:59
19:07:07
07:45:02
14:32:29

विंशोत्तरी

शुक्र 4वर्ष 7मा 20दि
मंगल
28/05/2020
28/05/2027

मंगल	24/10/2020
राहु	11/11/2021
गुरु	18/10/2022
शनि	27/11/2023
बुध	23/11/2024
केतु	21/04/2025
शुक्र	22/06/2026
सूर्य	27/10/2026
चन्द्र	28/05/2027

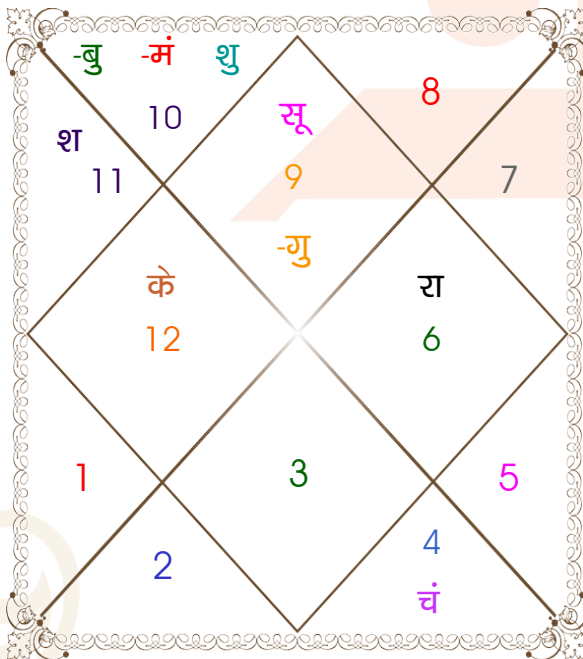
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

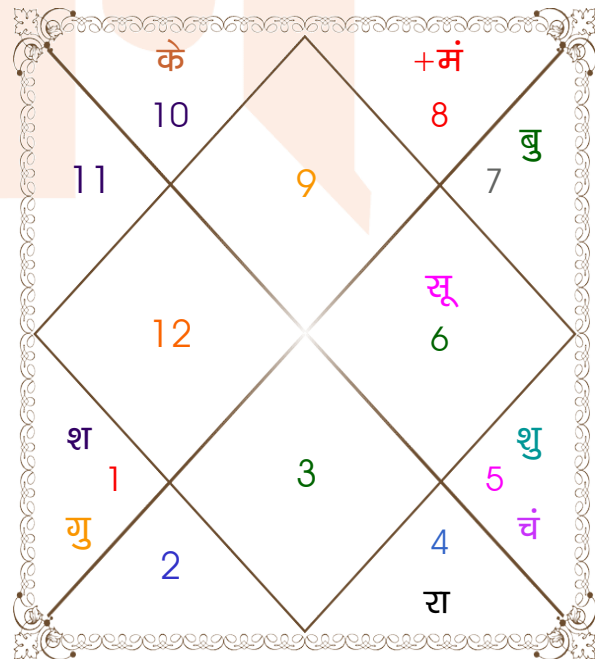
राहु : स्पष्ट

23:48:13 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:59

लग्न-चलित



लग्न-चलित



Meenna Salaria Astro & Numerio

Delhi

9667113751

salaria.meena@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

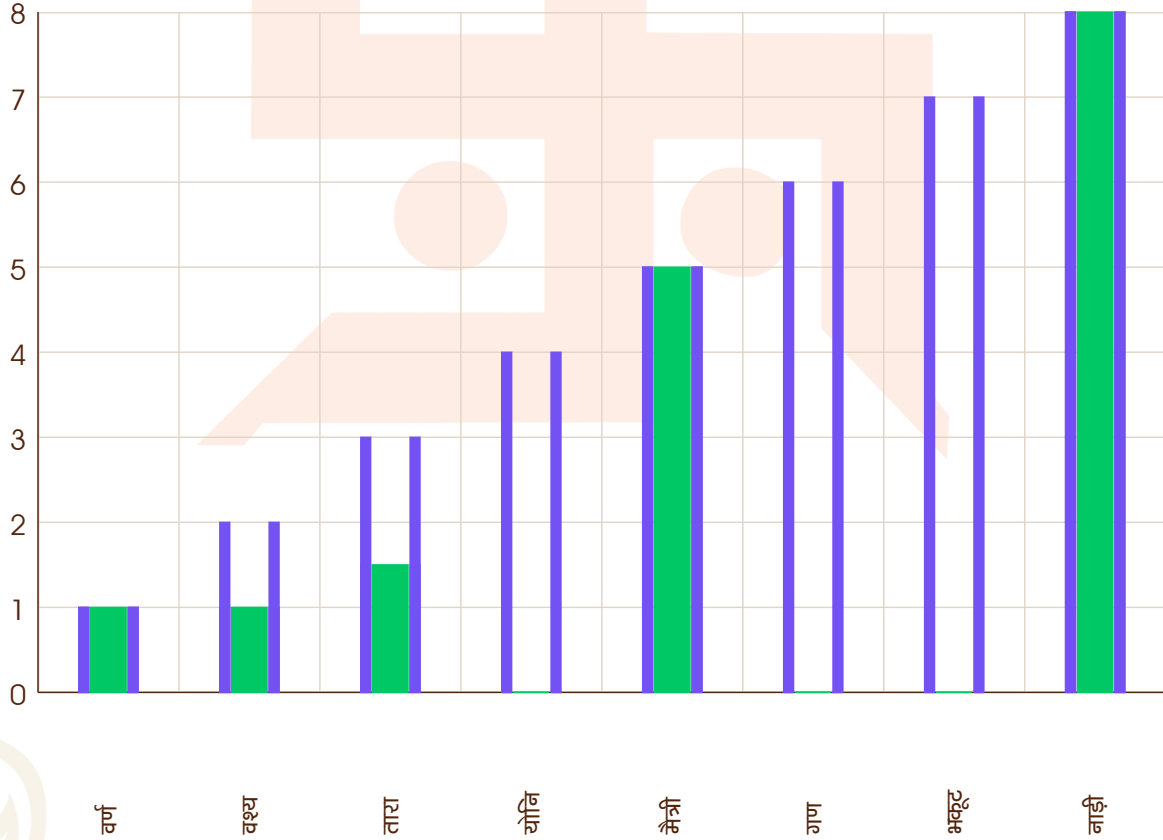
कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	वनचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	मूषक	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कर्क	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान

कुल :

36

16.50

कुल : 16.5 / 36



अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

कमअंदीन का वर्ग श्वान है तथा M virmani का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार कमअंदीन और M virmani का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

कमअंदीन मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

M virmani मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना ।

द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना ।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल M virmani कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढ्यः;थडग्गंवूदकमइ;0द्धत्र।द्धझ क्योंकि मंगल M virmani कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि कमअंदीन कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

कमअंदीन तथा M virmani में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।



अष्टकूट फलादेश

वर्ण

कमअंदीन का वर्ण ब्राह्मण तथा M virmani का वर्ण क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके प्रभाव से M virmani में अपने पति के प्रति अगाध प्रेम, श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेगी। कभी-कभी क्षत्रिय खून की गर्मी भी समय-समय पर उबाल मारने के कारण समय-समय पर M virmani आक्रामक व्यवहार कर सकती हैं हालांकि उनका व्यवहार कभी भी अनियंत्रित नहीं होगा। M virmani सदैव अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन भली-भांति करती रहेंगी तथा वे सदैव प्रशंसा की पात्र रहेंगी।

वश्य

कमअंदीन का वश्य जलचर है एवं M virmani का वश्य वनचर है। जिसके कारण यह मिलान औसत मिलान है। जलचर एवं वनचर दो भिन्न वश्य हैं किंतु दोनों एक-दूसरे को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे हालांकि उनके स्वभाव, गुण, खान-पान एवं व्यवहार एक-दूसरे से बिल्कुल भिन्न होंगे। जलचर कमअंदीन एवं वनचर M virmani का विवाह होने से दोनों के विचारों, पसंद/नापसंद में भिन्नता होने के बावजूद दोनों आपस में समझौता कर एवं सामंजस्य स्थापित कर खुशी पूर्वक जीवन व्यतीत करते रहेंगे।

तारा

कमअंदीन की तारा मित्र तथा M virmani की तारा विपत है। M virmani की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान कमअंदीन एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि M virmani का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठाएंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

योनि

कमअंदीन की योनि मार्जार है तथा M virmani की योनि मूषक है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच परस्पर शत्रुता का संबंध है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच अक्सर घरेलू हिंसा होती रहेगी। समय-समय पर एक दूसरे पर आघात भी कर सकते हैं। दोनों के बीच प्रेम एवं सौहार्द का अभाव बना रहेगा। दोनों के बीच परस्पर संदेह की भावना बनी रहेगी। वैवाहिक जीवन में स्थिति मुकदमेबाजी तक भी जी सकती है। दोनों के बीच अलगाव की चाह भी हो सकती है। एक घर में रहकर स्थिति तलाक जैसी बनी रह सकती है। परस्पर अविश्वास की भावना के कारण वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है। अतः अपने वैवाहिक जीवन को बचाये रखने के लिए दोनों को परस्पर विश्वास व सहयोग की आवश्यकता है अन्यथा घरेलू हिंसा होने

के कारण चोट भी लग सकती है। वैचारिक मतभेदों को बुद्धि बल तथा समझदारी से निपटाना चाहिये अन्यथा लड़ाई झगड़े से किसी भी समस्या का हल निकाल पाना असंभव है।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में कमअंदीन एवं M virmani दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि कमअंदीन एवं M virmani के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण कमअंदीन एवं M virmani जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

कमअंदीन का गण राक्षस है तथा M virmani का गण मनुष्य है। अर्थात् M virmani का गण कमअंदीन के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान रहेगा। ज्योतिषीय दृष्टि से यह संबंध अधिक दिनों तक नहीं रहने वाला होगा। दोनों के वैचारिक मतभेद परिवार के सदस्यों के जीवन को अशांत बना सकते हैं। ऐसा विवाह त्याज्य है।

भकूट

कमअंदीन से M virmani की राशि द्वितीय भाव में स्थित है तथा M virmani से कमअंदीन की राशि द्वादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके कारण कमअंदीन गुस्सैल एवं लड़ाकू स्वभाव के हो सकते हैं। साथ ही शारीरिक रूप से कमजोर तथा अपव्ययी होंगे। M virmani समझौतावादी, सौम्य एवं दयालु प्रवृत्ति की होंगी तथा अपने कर्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को आसानी से बखूबी निभाती रहेंगी तथा बचत भी करती रहेगी। दूसरी ओर कमअंदीन शाहखर्च, लापरवाह एवं अय्याशी में पैसे बर्बाद करने वाले हो सकते हैं।

नाड़ी

कमअंदीन की नाड़ी अन्त्य है तथा M virmani की नाड़ी मध्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियों पित्त एवं कफ की कारक हैं। जिसके कारण दम्पति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य, सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

कमअंदीन की जन्मराशि जलतत्व युक्त कर्क तथा M virmani की राशि अग्नितत्व युक्त सिंह है। नैसर्गिक रूप से अग्नि एवं जल का परस्पर शत्रु एवं विषमता का भाव होता है। अतः कमअंदीन और M virmani के मध्य स्वभावगत असमानताएं विद्यमान रहेंगी जिससे उनका दाम्पत्य जीवन विशेष अच्छा नहीं रहेगा।

कमअंदीन की राशि का स्वामी चन्द्रमा तथा M virmani की राशि का स्वामी सूर्य परस्पर मित्र राशियों में स्थित हैं। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति उत्तम रहेगी। इसके प्रभाव से मतभेदों एवं असमानताओं को दूर करने में कमअंदीन और M virmani को सफलता प्राप्त होगी। साथ ही मित्रता के भाव से एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे। इससे परस्पर प्यार सहानुभूति एवं सहयोग का भाव बना रहेगा एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन को व्यतीत करने में समर्थ रहेंगे।

कमअंदीन और M virmani की राशियां परस्पर द्वितीयद्वादश भाव में पड़ती है। यह एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से कमअंदीन और M virmani के स्तर पर अत्यधिक विषमता का भाव दृष्टिगोचर होगा जिससे परस्पर मतभेद एवं विवाद होंगे तथा यदा कदा क्रोध आदि के भाव का भी प्रदर्शन करेंगे। अतः यदि कमअंदीन और M virmani सामंजस्य पूर्वक रहें तथा उग्रता के भाव का परित्याग कर सकें तो संबंधों में मधुरता का भाव हो सकता है।

कमअंदीन का वश्य जलचर तथा M virmani का वश्य वनचर है। इन दोनों की परस्पर मित्रता होने के कारण कमअंदीन और M virmani की अभिरुचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं समान रहेंगी। फलतः काम संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे जिससे जीवन की प्रसन्नता बनी रहेगी।

कमअंदीन का वर्ण ब्राह्मण तथा M virmani का वर्ण क्षत्रिय है। अतः कार्य क्षेत्र में भी इनकी क्षमताओं में समानता रहेगी। कमअंदीन शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्यों को सम्पन्न करेंगे तथा M virmani की प्रवृत्ति उत्साही पराक्रमी तथा साहसिक कार्यों के प्रति रहेगी फलतः कार्य क्षेत्र में उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे।

धन

तारा का कमअंदीन और M virmani की आर्थिक स्थिति पर कोई विशेष प्रभाव नहीं रहेगा क्योंकि इनकी तारा परस्पर सम है। कमअंदीन एवं M virmani की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है जो एक भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से आर्थिक सुदृढ़ता में न्यूनता आ सकती है। साथ ही आर्थिक क्षेत्र में मंगल भी विशेष शुभ नहीं रहेगा फलतः भौतिक सुख संसाधनों तथा अन्य आवश्यक सुखों को ये परिश्रम पूर्वक अर्जित करने में

ही समर्थ हो सकेंगे।

भकूट दोष के प्रभाव से M virmani की प्रवृत्ति अनावश्यक व्यय करने की होगी तथा मुक्त हाथों से वह व्यय करेंगी जिससे आर्थिक क्षेत्र में उतार चढ़ाव आएंगे। यदि M virmani अपनी व्ययशील प्रवृत्ति पर नियंत्रण कर सकी तो स्थिति नियंत्रण में रहेगी तथा जीवन में आनंद एवं सुख की प्राप्ति होगी।

स्वास्थ्य

क्मअंदीन की नाड़ी अन्त्य तथा M virmani की नाड़ी मध्य है। अतः इन पर नाड़ी दोष का कोई प्रभाव नहीं होगा तथा स्वास्थ्य इस ओर से सामान्य रहेगा परन्तु मंगल के प्रभाव से क्मअंदीन का स्वास्थ्य प्रभावित होगा एवं समय समय पर वे हृदय रोग संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे। साथ ही पित या रक्त संबंधी कष्ट की भी अनुभूति होगी। धातु संबंधी रोगों का भी क्मअंदीन पर प्रभाव रहेगा एवं संभोग किया में भी उन्हें शिथिलता का आभास होगा जिससे दाम्पत्य जीवन में कलह तथा अशांति उत्पन्न हो सकती है। अतः उपरोक्त दोषों में न्यूनता लाने के लिए क्मअंदीन को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए। इसके अतिरिक्त मूंगा धारण करना भी क्मअंदीन के लिए श्रेयस्कर रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से क्मअंदीन और M virmani का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त क्मअंदीन और M virmani के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में M virmani के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन M virmani को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में M virmani को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से क्मअंदीन और M virmani सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार क्मअंदीन और M virmani का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

M virmani के सास के साथ संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे। साथ ही आयु में पर्याप्त अन्तर होने के कारण इन के मध्य अनावश्यक मतभेद रहेंगे। लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता से व्यवहार करेंगे तो संबंधों में मधुरता की वृद्धि होगी तथा तनाव में न्यूनता आएगी।

ससुर से भी M virmani को इच्छित स्नेह तथा सहानुभूति अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। अतः M virmani को चाहिए कि ससुर की सेवा, सुख सुविधा तथा आराम का पूर्ण ध्यान रखें। इससे उनसे स्नेह के भाव में वृद्धि हो सकती है। लेकिन देवर तथा ननदों के साथ M virmani के संबंध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर सार्थक सामंजस्य का भाव रहेगा तथा मित्रता पूर्ण व्यवहार करके उनसे स्नेह तथा सहानुभूति को प्राप्त करेंगी। इन संबंधों से M virmani सास ससुर से भी इच्छित स्नेह की प्राप्ति करने में समर्थ हो सकती है इस प्रकार ससुराल में इनका जीवन सामान्यतया सुखी ही रहेगा।

ससुराल-श्री

कमअंदीन के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को कमअंदीन अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी कमअंदीन के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण कमअंदीन के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।